नगर में डेंगू बुखार का कहर एवं प्लेटलेट की उपलब्धता का संकट

गोरखपुर नगर में डेंगू बुखार एक संक्रामक महामारी का रूप ले रहा है यह वयस्कों के मुकाबले बच्चों में अधिक तीव्रता से पाया जाता है यह बीमारी यूरोप महाद्वीप को छोड़कर पूरे विश्व में पाई जाती है अनुमानतः प्रतिवर्ष विश्व में दो करोड़ लोग इससे प्रभावित होते हैं यह विषाणु द्वारा एडिस मच्छर जनित रोग है इसकी विशेषता यह है कि डेंगू के मच्छर दिन में ही काटते हैं भारत में यह रोग बरसात के मौसम में तथा उसके तुरंत बाद के महीनों में फैलता है इस रोग में प्रायः रक्त का अवयव प्लेटलेट्स की कमी हो जाती है सामान्य तौर पर इसकी संख्या डेढ़ लाख से चार लाख होती है परंतु डेंगू में यह घट जाता है तथा उसे चढ़ाने की आवश्यकता होती है ऐसी परिस्थिति में ब्लड बैंकों पर बोझ पड़ने लगता है क्योकि प्लेटलेट की आपूर्ति हेतु जितनी आवश्यकता है उतने रक्तदाता उपलब्ध नही हो पाते हैं जिससे संतुलन बिगड़ जाता है। गोरखनाथ ब्लड बैंक में ही प्रतिवर्ष 7000 से 10000 प्लेटलेट की आपूर्ति होती है।

अतः मैं सभी स्वयंसेवी संगठन तथा संस्थाओं से अपील करता हूं कि इस संतुलन को बिगड़ने ना दें तथा ब्लड बैंक में जाकर रक्तदान करके डेंगू के रोगियों के प्राणों की रक्षा करें धन्यवाद